

42
मायालय अनुमण्डल दण्डाधिकारी, बरही, हजारीबाग ।

वाद सं०—

धारा—144 दं०प्र०स०

.....
दोपति देवी

—बनाम—

.....
श्रीनाथ प्रसाद को०

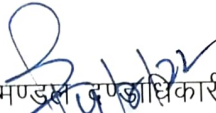
तारीख

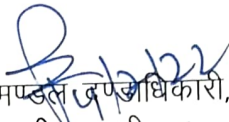
—आदेश—

अभियुक्ति

वाद काल बाधित हो चुका है।
वाद की कार्यवाही बिना प्रभावी आदेश के समाप्त
किया जाता है।

लेखापित एवं संशोधित


अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
बरही, हजारीबाग


अनुमण्डल दण्डाधिकारी,
बरही, हजारीबाग